No. of Printed Pages : 4

MSK-005

स्नातकोत्तर कला उपाधि (संस्कत)

(एम. एस. के.)

सत्रांत परीक्षा

दिसम्बर. 2021

एम.एस.के.-005 : वैदिक वाङमय एवं भारतीय संस्कति और सभ्यता

समय : 3 घण्टे *अधिकतम अंक : 100*

नोट : (*i*) सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

(*ii*) प्रश्नपत्र में तीन खण्ड हैं। प्रत्येक खण्ड में दिए निर्देशानसार ही उत्तर दीजिए।

खण्ड—क

1. निम्नलिखित में से किन्हीं **पाँच** प्रश्नों के उत्तर दीजिए : प्रत्येक 10

(क)वेदकालीन संस्कति को अपने शब्दों में लिखिए।

(ख)रामायणकालीन समाज में नारी के महत्व का विवेचन कीजिए।

(ग)'नासदीयसक्त' के आधार पर 'सष्टि उत्पत्ति प्रक्रिया' पर लेख लिखिए।

(घ)वैदिक देवता 'विष्ण' के स्वरूप का विवेचन कीजिए।

(ङ)क्रिया के 'षडभावविकारों' को स्पष्ट कीजिए।

(च)विभिन्न भारतीय दर्शनों में मोक्ष की अवधारणा को लिखिए।

(छ)आश्रम व्यवस्था पर निबन्ध लिखिए।

खण्ड—ख

2. निम्नलिखित मन्त्रों में से किन्हीं **दो** की व्याख्या कीजिए : प्रत्येक 5

(क)अहं रूद्राय धनरा तनोमि

ब्रह्मद्विषे शखे हन्तवा उ।

अहं जनाय समंद कणोभ्यहं

द्यावापथिवी आ विवेश॥

(ख)न मन्यरासीदमतं न तर्हि

न रात्र्या अहं आसीन्प्रकेतः।

आनीदवातं स्वधया तदेकं

तस्माद्धान्यन्न परः किं चनास॥

(ग) राजन्तमध्वराणां गोपामतस्य दीदिविम वर्धमानं स्वे दमे।

(घ) अग्निहोता कविक्रतः सन्यश्चित्रश्रवस्तमः देवो देवेभिरा गमत।

खण्ड—ग

3. निम्नलिखित में से किन्हीं **पाँच** पर टिप्पणियाँ लिखिए : प्रत्येक 6

(क)श्रौतयागों का स्वरूप

(ख)वेदाङ्गों का महत्व

(ग) गह्यसत्रों का स्वरूप

(घ)'वाक' देवता वर्णन

(ङ)वानप्रस्थ आश्रम के मख्य उद्दश्य

(च)पराणों में धर्म की अवधारणा

(छ)'पादपरण निपात' स्वरूप

4. निम्नलिखित सत्रों में से किन्हीं **दो** की व्याख्या कीजिए : प्रत्येक 5

(क)दाश्वानसाहवान्मीढवांश्च

(ख)सपितदोंः कसन

(ग) स्तेनाद्यन्नलोपश्च

(घ) द्वन्दमनोज्ञादिभ्यश्च

(ङ)भय्यप्रवय्ये चच्छन्दसि